जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

5 ब

जैन विद्या - भाग - 5

(जैन परम्परा का इतिहास)

समय : 3 घण्टे | प्रश्न पत्र : द्वितीय | पूर्णांक 100

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न इस प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) निम्न में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें- 10×1=10

1. गण की सारणा-वारणा, शिक्षा, दीक्षा के लिए सात पद थे उनमें प्रवर्तक का क्या उत्तरदायित्व था?
2. तेरापंथ धर्मसंघ में संस्कृत के शतशाखी विकास का श्रेय किस आचार्य को है?
3. चरमोत्सव क्यों व कब मनाया जाता है?
4. गुप्ति का अर्थ क्या है वे कौन-कौन सी है?
5. बाहुबली को कौनसी विद्या का उपदेश मिला?
6. आचार्य सिद्धसेन के समय जैन परम्परा में कौनसी दो धाराएं निर्मित हुई?
7. गणधर इन्द्रभूति का दूसरा नाम क्या था?
8. भगवान ऋषभ ने राज्य को कितने परों वाला पक्षी बताया?
9. जैन आगमों के अनुसार 22 वें तीर्थंकर अरिष्टनेमि किस के आध्यात्मिक गुरू थे?
10. भगवान महावीर के समय के सम्प्रदाय कितने वर्गों में समाते थे?
11. भगवान ऋषभ के समय मंत्री परिषद के सदस्य क्या कहलाये?

(B) निम्न में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें- 10×3=30

1. दस लक्षण पर्व किसे कहते हैं?
2. कौन-कौन से आचार्य दसपूर्वी हुए?
3. उत्सर्पिणी के छह विभाग कौन-कौन से हैं?
4. मनुष्य की प्रवृत्ति के तीन निमित्त कौनसे हैं? इनका उदय किससे होता है?
5. जैन परम्परा के अनुसार कौनसे तीर्थंकरों के समय चातुर्याम धर्म का उपदेश चला?

6. श्रवण बेलगोला का अर्थ स्पष्ट करें।
7. आगमों के प्रथम संस्कृत टीकाकार कौन थे और उन्होंने कितने ग्रंथों की रचना की?
8. परिस्थिति किसे कहते हैं?
9. सम्राट भरत श्रामण्य की ओर कैसे अग्रसर हुए?
10. मोर्य और शुंग–काल के पश्चात भारतीय मूर्त्ति कला की मुख्य धाराऐं कितनी एवं कौनसी है?
11. श्रावक कौन कहलाता है? उसके कोई चार मुख्य गुण लिखें।

(C) किन्ही छः प्रश्नों के उत्तर दें– 6×5=30

1. त्रैराशिकवाद पर समीक्षा लिखें।
2. जैन चित्रकला के बारे में लिखें।
3. क्रियावाद – अक्रियावाद में अंतर स्पष्ट करें।
4. शुभकर्म – अशुभकर्म में अंतर स्पष्ट करें।
5. सापेक्ष नीति गुटबंदी को कम करने में काफी काम कर सकती है। सिद्ध करें।
6. अहिंसा के आचरण के लिए हृदय परिवर्तन सर्वोत्तम साधन है, विवेचन करें।
7. भगवान ऋषभ की दंड व्यवस्था को समझाइए।

(D) किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 3×10=30

1. भगवान महावीर द्वारा जनतंत्र के लिए दिए गये सिद्धान्त क्या आ समान रूप से उपयोगी है? अपने विचार की पुष्टि में तर्क कीजिए।
2. आगमज्ञान को सुरक्षित रखने के लिए की गयी आगम वाचनाओं के बारे में लिखिए।
3. भगवान ऋषभ के काल में सामाजिक परम्पराओं के सूत्रपात पर वर्णन करें।
4. महाराज संप्रति के जीवन पर प्रकाश डालें।